न्यूज डायरी

दक्षिणी तुर्की में लगी भीषण आग, जान बचाकर भागे लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। दक्षिणी तुर्की में जंगलों के अंदर भीषण आग लग गई है और यह अब शहरी इलाके में पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि 60 जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुई हैं। इस अग्निकांड में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई है। तुर्की के अधिकारी अब रहस्यमय तरीके से लगी इस आग के कारणों की जांच कर रहे हैं। वहीं लेबनान में भी आग लगने की घटना हुई है जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई। तुर्की में आग लगने की घटना के कई खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर शेयर किए जा रहे हैं। एक वीडियो में नजर आ रहा है कि लोग एक समुद्री बीच पर बैठे हैं और धूप ले रहे हैं तभी अचानक से आग उनके बेहद करीब आ जाती है। इसके बाद वे लोग अपना बोरिया बिस्तर लेकर तट से काफी दूर चले जाते हैं। तुर्की के कृषि और वन मंत्री बेकिर पाकडेमीर्ली ने कहा कि बुधवार–और गुरुवार को जंगल में आग लगने की 53 घटनाएं हुई हैं।

इजराइल एजेंसियों ने शुरू की एनएसओ के खिलाफ आरोपों की जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जेरूसलम। पेगासस स्नूपिंग स्कैंडल को लेकर इजराइल ने एनएसओ ग्रुप के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा कंपनी के कार्यालयों का निरीक्षण किया है। कई सरकारी संगठनों द्वारा कथित दुरुपयोग पर किया हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी लगाए गए आरोपों का आकलन करने के लिए एनएसओ के कार्यालय पर छापा मारा गया। हांलाकि प्रवकता ने इस छापे की और जानकारी नहीं दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस छापे में रक्षा मंत्रालय के निर्यात नियंत्रण प्रभाग और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद विभाग ने एनएसओ के कार्यालय पर छापा मारा, जो जरूरत पड़ने पर जांच भी कर सकते हैं। जांच का मुख्य मुद्दा यह है कि क्या कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के द्वारा दी गइ अनुमति और शक्तियों के अनुसार काम किया है।

राष्ट्रपति बाइडन का वैक्सीनेशन बढ़ाने का नया आईडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका दुनिया में कोरोना वायरस से सबसे प्रभावित देश है। राष्ट्रपति जो बाइडन लगातार नागरिकों से वैक्सीन लगवाने को लेकर आग्रह कर रहे हैं। इस बीच खबर मिल रही है कि अमेरिका वैक्सीनेशन को बढ़ाना चाहता, कई लोग अपना वैक्सीनेशन करवाने के लिए आगे नहीं आ रहे है। ऐसे में यह कयास लगाना भी गलत नहीं होगा कि देश में वैक्सीन की कमी नहीं बल्कि लोगों की रुचि वैक्सीनेशन अभियान को धीमा कर देगी। ऐसे में बाइडन ने एक नया तरीका ईजाद किया है, जिससे लोगों में रूचि को बढ़ाया जा सके। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा राज्यों और लोकल अधिकारियों से कोविड–19 वैक्सीन न ले रहे लोगों को 100 डॉलर यानी कि लगभग 7500 रुपये की पेशकश करने के लिए कहा जा रहा है।

अफगानी लड़के को पत्थर मार–मारकर ली जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में कामेडियन मोहम्मद खाशा की बर्बर हत्या से जहां अभी दुनिया उबरी नहीं थी, वहीं तालिबानी क्रूरता का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि एक अफगानी लड़के को तालिबान आतंकी पत्थरों से मार रहे हैं। यही नहीं तालिबानियों ने इस जघन्य हत्या का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया ताकि दुनिया उसकी बर्बरता को देख सके। यह वीडियो अफगानिस्तान में कहा का है कि यह अभी पता नहीं चल पाया है। वीडियो में दिखाई पड़ रहा है कि एक लड़का बिना कपड़ों के जमीन पर पड़ा हुआ है और सैकड़ों की तादाद में तालिबानी आतंकी उसे घेरकर पत्थर बरसा रहे हैं। लड़का पत्थर खाकर भी कई बार उठने का प्रयास करता है लेकिन फिर उसे और ज्यादा पत्थर मारे जाते हैं। अंत में लड़का जमीन पर गिर जाता है और फिर नहीं उठता है।

दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन को फिलीपीन्स ने बड़ा झटका दिया

फिलीपीन्स के राष्ट्रपति ने अमेरिका के साथ समझौते को बहाल किया

झटका

राष्ट्रपति दुतेर्ते ने इस समझौते को रद कर दिया था जिससे दोनों देशों में चिंता बढ़ गई थी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मनीला। दक्षिण चीन सागर में दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन को फिलीपीन्स ने बड़ा झटका दिया है। फिलीपीन्स के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने अमेरिकी सैनिकों के साथ व्यापक सैन्य अभ्यास के समझौते को फिर से बहाल कर दिया है। दोनों देशों के रक्षामंत्रियों ने शुक्रवार को इस फैसले का ऐलान किया। इससे पहले राष्ट्रपति दुतेर्ते ने इस समझौते को रद कर दिया था जिससे दोनों देशों में चिंता बढ़ गई थी। यही नहीं चीन ने कोरोना वैक्सीन समेत कई तरह के लालच फिलीपीन्स को दिए थे ताकि वह अमेरिकी सेना के साथ समझौते को रद कर दे।

इस समझौते के तहत अमेरिकी और फिलीपीन्स के सुरक्षा बलों के बीच बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किए जाते हैं। रक्षा मंत्री डेल्फिन

लोरेनजाना ने अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन के साथ मनीला में राष्ट्रपति दुतेर्ते के इस फैसले की घोषणा की। फिलीपीन्स के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्री टियोडोरो लोसिन जूनियर 'विजिटिंग फोर्स एग्रीमेंट' (वीएफए) से जुड़े दुतेर्ते के फैसले के दस्तावेज शुक्रवार को एक अन्य बैठक में ऑस्टिन को देंगे।

दुतेर्ते लगातार टाल रहे थे समझौता लोरेनजाना ने कहा, 'राष्ट्रपति ने वीएफए को समाप्त करने के पूर्व के फैसले को रद्द करने का निर्णय किया है।' ऑस्टिन ने दुतेर्ते के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पुराने सहयोगियों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। दुतेर्ते ने फरवरी 2020 में अमेरिकी सरकार को सूचित किया था कि वह 1998 के समझौते को निरस्त करना चाहते हैं, जो फिलीपीन सैनिकों के साथ संयुक्त युद्ध अभ्यास के लिए बड़ी संख्या में अमेरिकी बलों को देश में प्रवेश की अनुमति देता है और उनके अस्थायी प्रवास के लिए कानूनी शर्तें निर्धारित करता है।

इस फैसले को घोषणा के 180 दिन बाद अमल में आना था, लेकिन दुतेर्ते लगातार इसे टाल रहे थे। इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को चीन के संदर्भ में संतुलन स्थापित करने के रूप में देखा जाता है, जो दक्षिण चीन सागर के विशाल क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। माना जा रहा है कि चीन की साउथ चाइना सी में दादागिरी के बाद अब उन्हें मजबूरन फिर से अमेरिका की शरण में जाना पड़ा है।

एवर गिवेन जहाज 4 महीने बाद पहुंचा अपने ठिकाने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रॉटर्डम। स्वेज नहर में जाम लगाकर समुद्री व्यापार पर ब्रेक लगाने वाला विशालकाय जहाज एवर गिवेन 4 महीने की मशक्कत के बाद अंततः अपने ठिकाने नीदरलैंड के रॉटर्डम शहर पहुंच गया है। एवर गिवेन की वजह से समुद्र में एक सप्ताह तक 42 अरब पाउंड का व्यापार ठप पड़ गया था। इस जहाज को भारतीय चालक दल चला रहा था और अब रॉटर्डम पहुंचने पर इसके माल को उतारा जा रहा है।

एवर गिवेन जहाज अब अमजोनेहवेन पहुंचा है जो उसके वास्ष्तविक समय से काफी लेट है। पनामा के झंडे वाला यह जहाज 23 मार्च को स्वेज नहर में फंस गया था। इसे निकालने में एक सप्ष्ताह का समय लग गया था। इसकी वजह से समुद्र में ही सैकड़ों जहाजों को खड़ा होना पड़ गया था। रॉटर्डम बंदरगाह के डायरेक्टर ने कहा कि एवर गिवेन को देखकर उन्हें बहुत राहत मिली है।

तीन महीने तक यह जहाज खड़ा रहा: अब इसके विशालकाय सामान को उतार सकेंगे। यह जहाज अभी सोमवार तक यही पर रहेगा, इसके बाद फ्रांस जाएगा जहां इसकी जांच की जाएगी। तीन सप्ष्ताह पहले एवर गिवेन जहाज ग्रेट बिटर लेक के नहर में खड़ा था।

पाकिस्तान में राज कपूर और दिलीप कुमार के पुश्तैनी मकानों को नुकसान पहुंचा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित महान भारतीय फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पुश्तैनी मकानों को मॉनसून की भारी बारिश से नुकसान पहुंचा है। पहले से ही जीर्णशीर्ण स्थिति वाले इन मकानों को पाकिस्तान सरकार ने हाल में अपने संरक्षण में ले लिया था। सरकार ने दोनों दिग्गज कलाकारों के यहां स्थित मकानों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के साथ–साथ उनके सम्मान में उन्हें संग्रहालयों में तब्दील करने की सभी औपचारिकताएं भी पूरी कर ली थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक भारी बारिश के कारण दोनों ही मकान पूरी तरह से जलमग्न हो गए, जिसके कारण उनके कुछ हिस्सों को नुकसान पहूंचा है।

अफगानिस्तान का दावा, राजदूत की बेटी को इस्लामाबाद में किया गया था प्रताड़ित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि पाकिस्तान में देश के राजदूत की बेटी का अपहरण किया गया और फिर उसे इस्लामाबाद में शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मंत्रालय के मुताबिक एक जांच में इसका खुलासा हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट और संबंधित सबूतों से संकेत मिलता है कि सिलसिला अलीखेल के साथ मारपीट की गई और फिर 17 जुलाई को उसे प्रताड़ित किया गया।

अपराध को उचित नहीं ठहराया जा सकता: पाकिस्तानी

राजधानी में अपनी बेटी के अपहरण को लेकर राजदूत नजीब अलीखेल ने याचिका दायर की थी। मंत्रालय ने आगे कहा कि मेडिकल रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर इस प्रकार के अपराध को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है और पाकिस्तानी सरकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के आधार पर राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बाध्य है।

जांच के लिए पाकिस्तान भेजी जाएगी टीम: उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान सरकार को अपनी जांच में तेजी लानी चाहिए और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाना चाहिए। अफगानिस्तान मामले की संयुक्त जांच करने और प्रासंगिक जानकारी और सबूत साझा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान भेजने के लिए तैयार है।

मंत्रालय के दावे पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शेख राशिद द्वारा इस घटना को एक नाटक करार दिए जाने और इस्लामाबाद के खिलाफ रची गई एक बड़ी साजिश के बाद आए हैं।

अचानक अमेरिका की शरण में क्यों पहुंचा पाकिस्तान?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती हिंसा के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन से मुलाकात की है। यह मुलाकात इसलिए भी अहम बताई जा रही है क्योंकि पिछले कुछ महीनों से अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में खटास देखी जा रही थी। माना जा रहा है कि इमरान खान ने इसी खटास को दूर करने के लिए अपने सबसे खास और भरोसेमंद मोईद यूसुफ को वॉशिंगटन भेजा था। मोईद यूसुफ और जेक सुलिवन ने इससे पहले मार्च में जिनेवा में भी मुलाकात की थी। पाकिस्तानी एनएसए मोईद यूसुफ और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन ने अपनी मुलाकात का औपचारिक ऐलान कई घंटे बाद किया। यूसुफ ने अपने ट्वीट में कहा, आज वाशिंगटन में एनएसए जेक सुलिवन के साथ सकारात्मक फॉलोअप बैठक हुई। हमारी जिनेवा बैठक के बाद से हुई प्रगति का जायजा लिया और आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।